अंक 22 माहः मई 2026

विश्वत

मासिक पत्रिका

AN ISO 9001:2015 CERTIFIED FOR QMS

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

A part of aisect india Khandwa, Madhya Pradesh

Approved by: MP Govt., AICTE, NCTE, MP PARAMEDICAL COUNCIL, PCI, Recognized by: UGC Member of: AIU

विश्वविद्यालय मासिक पत्रिका

"ऊर्जस्वला वर्चस्वला अतिनिष्चला विजये

We are Energetic, Influential and are Always Committed"

मास का सूत्र

" समृद्धि केवल धन संचय में नहीं, बल्कि ऐसे ज्ञान और कौशल के निर्माण में है जो समाज के लिए स्थायी मूल्य का सृजन करें।"

— आचार्य कौटिल्य

संपादकीय

कौटिल्य की वाणिज्य दृष्टि से आत्मनिर्भर भारत की ओर

प्राचीन भारत के महान नीति-निर्माता आचार्य कौटिल्य के अनुसार, किसी राष्ट्र की शक्ति उसके सुदृढ़ व्यापार, कुशल वित्तीय प्रबंधन और उद्यमशील नागरिकों में निहित होती है। इन्हीं आदर्शों को आत्मसात करते हुए डॉ. सी. वी. रामन विश्वविद्यालय, खंडवा की अध्ययनशाला महर्षि कौटिल्य स्कूल ऑफ कॉमर्स युवा प्रतिभाओं को ऐसे ज्ञान और कौशल से समृद्ध करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो उन्हें वैश्विक अर्थव्यवस्था में सफल, उत्तरदायी और नवाचारी नेतृत्वकर्ता बना सके। हमारा मानना है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार पाना नहीं, बल्कि अवसरों का सृजन करना है।

आज जब विश्व सतत विकास और हरित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, हमारा विज़न "Igniting Young Minds for Sustainable Finance and Circular Economy" अत्यंत प्रासंगिक है। हमारा मिशन विद्यार्थियों में उद्यमशीलता की भावना जगाना, वाणिज्य शिक्षा में उत्कृष्टता स्थापित करना और शोध के माध्यम से उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करना है। एक सफल वाणिज्य विद्यार्थी केवल एक पेशेवर नहीं, बल्कि समाज की आर्थिक उन्नति का वाहक होता है।

यह न्यूज़लेटर हमारे विद्यार्थियों और शिक्षकों की सामूहिक उपलब्धियों, नवाचारों और प्रेरणादायक प्रयासों का प्रतिबिंब है। आइए, आचार्य कौटिल्य के आर्थिक चिंतन से प्रेरणा लेते हुए ज्ञान और उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर हों।

सादर,

समपादकीय टीम "विश्वत न्यूज़ लेटर"

महर्षि कौटिल्य स्कूल ऑफ कॉमर्स

भारतीय अर्थचिंतन, व्यापारिक दूरदर्शिता और उद्यमशीलता की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए महर्षि कौटिल्य स्कूल ऑफ कॉमर्स, डॉ. सी. वी. रामन विश्वविद्यालय, खंडवा वाणिज्य एवं व्यवसाय शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का एक सशक्त केंद्र बनकर उभर रहा है। महान अर्थशास्त्री, कूटनीतिज्ञ और प्रबंधन गुरु आचार्य कौटिल्य के विचारों से प्रेरित यह अध्ययनशाला विद्यार्थियों को ऐसे ज्ञान, कौशल और मूल्यों से समृद्ध करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो उन्हें भविष्य का सफल उद्यमी, वित्त विशेषज्ञ, शोधकर्ता और उत्तरदायी नागरिक बनने में सक्षम बनाते हैं।

वाणिज्य का इतिहास मानव सभ्यता के प्रारंभिक वस्तु-विनिमय से आरम्भ होकर आज के डिजिटल और वैश्विक व्यापारिक युग तक विस्तृत है। समय के साथ व्यापार की अवधारणाएँ विकसित हुईं और आज ई-कॉमर्स, डिजिटल भुगतान, फिनटेक तथा वैश्विक बाजारों ने आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा प्रदान की है। ऐसे परिवर्तनशील दौर में महर्षि कौटिल्य स्कूल ऑफ कॉमर्स विद्यार्थियों को आधुनिक व्यावसायिक परिवेश, वित्तीय प्रबंधन, व्यापारिक नैतिकता और नवाचार आधारित उद्यमिता की गहन समझ प्रदान करता है, जिससे वे बदलती अर्थव्यवस्था की चुनौतियों और अवसरों का सफलतापूर्वक सामना कर सकें।

विद्यालय में वर्तमान में बैचलर ऑफ कॉमर्स (बी.कॉम.) तथा मास्टर ऑफ कॉमर्स (एम.कॉम.) कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। बी.कॉम. कार्यक्रम विद्यार्थियों को लेखांकन, कराधान, बैंकिंग, वित्त, विपणन तथा व्यवसाय प्रबंधन की मूलभूत अवधारणाओं से परिचित कराता है, जबकि एम.कॉम. कार्यक्रम उन्हें वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययन के उन्नत और शोधपरक आयामों का गहन ज्ञान प्रदान करता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, व्यवहारिक प्रशिक्षण, शोध गतिविधियों तथा उद्योगोन्मुख अधिगम के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी एवं वैश्विक कार्यक्षेत्र के लिए तैयार किया जाता है।

हम ऐसी युवा प्रतिभाओं का निर्माण करना चाहते हैं जो आर्थिक प्रगति के साथ-साथ पर्यावरणीय संरक्षण, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति भी सजग हों। हमारा विश्वास है कि भविष्य की अर्थव्यवस्था केवल लाभ अर्जन तक सीमित नहीं होगी, बल्कि सतत विकास, नवाचार और समावेशी प्रगति पर आधारित होगी।

हम युवाओं में उद्यमशीलता, नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना को विकसित करने हेतु एक सशक्त मंच उपलब्ध कराते हैं, जिससे वे रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ रोजगार सृजनकर्ता भी बन सकें। साथ ही, संस्थान को वाणिज्य एवं व्यवसाय शिक्षा के क्षेत्र में एक 'उत्कृष्टता केंद्र' (Centre of Excellence) के रूप में स्थापित करना तथा अंतर्विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना हमारा प्रमुख उद्देश्य है।

महर्षि कौटिल्य स्कूल ऑफ कॉमर्स केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि ज्ञान, नवाचार, उद्यमिता और उत्कृष्टता का सजीव मंच है, जहाँ युवा सपनों को दिशा मिलती है, विचारों को विस्तार मिलता है और संभावनाएँ उपलब्धियों में परिवर्तित होती हैं। आचार्य कौटिल्य की दूरदर्शिता और आधुनिक वाणिज्य शिक्षा के समन्वय से यह अध्ययनशाला आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु सक्षम, नैतिक और दूरदर्शी नेतृत्व तैयार करने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

प्रगति और परंपरा का संगम

आचार्य कौटिल्य का स्थान केवल एक महान अर्थशास्त्री के रूप में नहीं, बल्कि दूरदर्शी शिक्षक, कुशल प्रशासक और राष्ट्र निर्माण के विचारक के रूप में भी स्थापित है। महर्षि कौटिल्य स्कूल ऑफ कॉमर्स इन्हीं आदर्शों को आधुनिक वाणिज्य शिक्षा के साथ जोड़ते हुए विद्यार्थियों को भविष्य की दिशा और संभावनाओ के लिए तैयार कर रहा है।

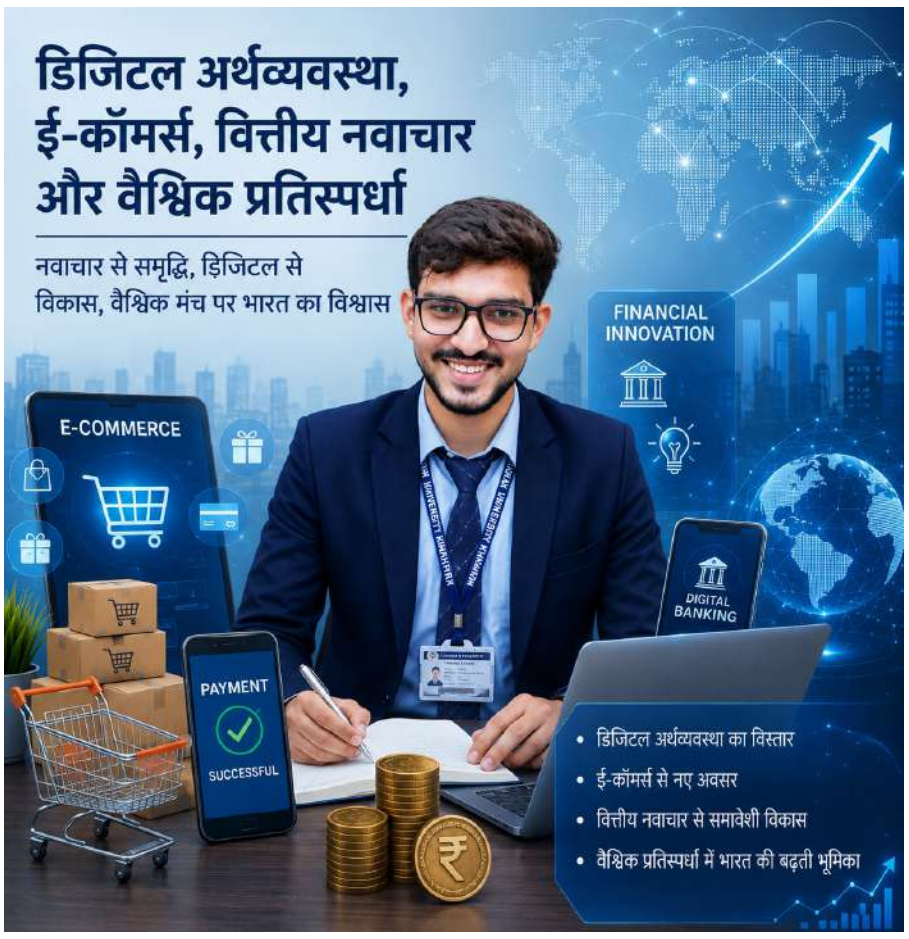

वर्तमान समय में व्यापार और वाणिज्य का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, ई-कॉमर्स, वित्तीय नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के इस युग में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है। इसलिए अध्ययनशाला विद्यार्थियों को व्यवहारिक अनुभव, शोध, नवाचार और नेतृत्व के अवसर प्रदान कर रही है। विद्यार्थियों ने "भारतीय ज्ञान परंपरा" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध-पत्र प्रस्तुत कर यह सिद्ध किया कि प्राचीन भारतीय ज्ञान आज भी आधुनिक आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों के समाधान प्रस्तुत करने में सक्षम है।

उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विद्यार्थियों द्वारा "Veggie Vibes" शीर्षक से व्यवसायिक योजना (Business Plan) प्रस्तुत की गई, जिसने नवाचार, रचनात्मक सोच और आत्मनिर्भरता की भावना को अभिव्यक्त किया। यह पहल इस बात का प्रमाण है कि हमारे विद्यार्थी केवल रोजगार की तलाश नहीं करते, बल्कि नए अवसरों का सृजन करने की क्षमता भी रखते हैं।

विद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। बी.कॉम. के छात्र युवराज दान्नाल ने मेवाड़ राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में सहभागिता कर अपनी तार्किक क्षमता और प्रभावशाली अभिव्यक्ति का प्रदर्शन किया। वहीं विभाग के विद्यार्थियों ने जयपुर में आयोजित नेटबॉल प्रतियोगिता तथा एनसीसी शिविरों में भाग लेकर नेतृत्व, अनुशासन, टीम भावना और राष्ट्रसेवा के मूल्यों को आत्मसात किया।

महर्षि कौटिल्य स्कूल ऑफ कॉमर्स की यह सतत यात्रा दर्शाती है कि परंपरा से प्राप्त ज्ञान और आधुनिक शिक्षा से अर्जित कौशल जब एक साथ आगे बढ़ते हैं, तब विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव होता है। यही प्रगति और परंपरा का वास्तविक संगम है।

नवांकुर: सृजनशीलता और युवा स्वर

युवा मन केवल सपने नहीं देखता, बल्कि नए विचारों से भविष्य की दिशा भी निर्धारित करता है। इस स्तंभ में विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ, प्रबंधन संबंधी चिंतन और भारतीय ज्ञान परंपरा से प्रेरित विचार प्रस्तुत किए जा रहे हैं, जो ज्ञान और नवाचार का सुंदर संगम हैं।

1. सफलता का पहला निवेश

– चिराग गुरबानी

व्यापार की दुनिया में सबसे बड़ा निवेश धन नहीं, बल्कि ज्ञान होता है। ज्ञान से कौशल विकसित होता है और कौशल से अवसरों का निर्माण होता है। आज का विद्यार्थी यदि सीखने की आदत को अपना ले, तो भविष्य में सफलता स्वयं उसका स्वागत करती है। हर छोटी उपलब्धि बड़े सपनों की ओर बढ़ने वाला एक कदम है।

2. कविता: युवा और उड़ान

– स्वाति पवार

सपनों को आँखों में लेकर,
हमने आगे बढ़ना सीखा है।
संघर्षों की धूप में जलकर,
सफलता का फूल खिला है।
ज्ञान बना है पथ प्रदर्शक,
मेहनत हमारी पहचान है।
नवभारत के निर्माण में,
युवा शक्ति ही अभिमान है।

3. मेरा पहला बिजनेस आइडिया

– अर्पण हिरवे

कॉलेज जीवन केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह वह समय है जब हम नए विचारों को आकार दे सकते हैं। मेरा मानना है कि प्रत्येक विद्यार्थी को किसी न किसी छोटे उद्यम या स्टार्टअप मॉडल पर कार्य करना चाहिए। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और वास्तविक व्यापारिक अनुभव प्राप्त होता है।

4. डिजिटल युग और वाणिज्य

– दिशा गुरबानी,

आज ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान ने व्यापार की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। मोबाइल फोन अब केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि एक डिजिटल बाजार बन चुका है। आने वाले समय में डिजिटल वित्त और ऑनलाइन व्यापार युवाओं के लिए असीम अवसर लेकर आएंगे। इसलिए तकनीक और वाणिज्य का समन्वय समय की मांग है।

5. कविता : शिक्षा का दीप

– मोहम्मद आमिर

शिक्षा का दीप जलाओ साथी,
अज्ञान का तम दूर भगाओ।
ज्ञान, संस्कार और सेवा से,
जीवन को उजियारा बनाओ।
कदम बढ़ाओ लक्ष्य की ओर,
मेहनत को अपना धर्म बनाओ।
सपनों को साकार करो तुम,
नया इतिहास स्वयं रच जाओ।

6. राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका

– भावना मालवीय

किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसके युवा होते हैं। यदि युवा शिक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर हों, तो देश की प्रगति निश्चित है। हमें केवल अपने करियर तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी योगदान देना चाहिए। यही एक जिम्मेदार नागरिक की पहचान है।

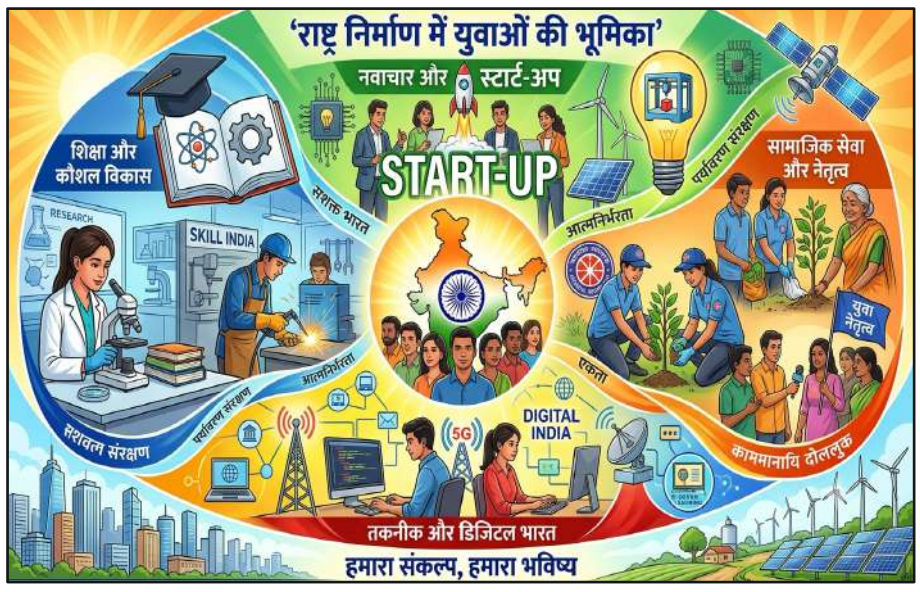

7. अनुशासन : सफलता की कुंजी

– युवराज दान्नाल

प्रतिभा व्यक्ति को अवसर दिला सकती है, लेकिन अनुशासन उसे सफलता तक पहुँचाता है। समय का सदुपयोग, निरंतर अभ्यास और सकारात्मक सोच हर विद्यार्थी को अपने लक्ष्य तक पहुँचाने में सहायक होते हैं। सफलता किसी एक दिन का परिणाम नहीं, बल्कि प्रतिदिन किए गए छोटे-छोटे प्रयासों का प्रतिफल है।

8. मेरा सपना – आत्मनिर्भर भारत

– नंदनी सुराना,

मैं ऐसे भारत का सपना देखती हूँ जहाँ युवा नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनें। उद्यमिता, नवाचार और तकनीक के माध्यम से हम देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सकते हैं। आत्मनिर्भर भारत का निर्माण तभी संभव है जब युवा अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज और राष्ट्र के विकास के लिए करें।

5. ज्ञान, कौशल और सेवा: छात्र विकास के सशक्त आयाम

महर्षि कौटिल्य स्कूल ऑफ कॉमर्स का मानना है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्तित्वों का निर्माण करना है जो ज्ञानवान होने के साथ-साथ कुशल, आत्मविश्वासी, संवेदनशील और समाज के प्रति उत्तरदायी भी हों। इसी दृष्टिकोण के साथ सं अध्ययनशाला स्थान विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए शैक्षणिक, सहशैक्षणिक और व्यावसायिक गतिविधियों का सशक्त वातावरण प्रदान करती है।

विद्यार्थियों को कक्षा शिक्षण के साथ-साथ परियोजना कार्य, शोध गतिविधियों, प्रस्तुतिकरण, उद्योग जगत से संवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा खेल गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के अवसर प्रदान किए जाते हैं। इस समग्र शिक्षण पद्धति का परिणाम है कि विद्यार्थी न केवल अकादमिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, बल्कि रोजगार और नेतृत्व के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं।

अध्ययनशाला के कई विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार प्राप्त कर संस्थान का नाम गौरवान्वित किया। अर्पण हिरवे का चयन टीसीएस में, युवराज दान्नाल एवं विजय कनाडे का चयन एस.के. फाइनेंस में, भावना मालवीय का चयन बंधन बैंक में तथा अश्विनी एवं योगेश हिरे का चयन प्रतिष्ठित वित्तीय संस्थानों में हुआ। ये सफलताएँ विद्यार्थियों की मेहनत, संकाय के मार्गदर्शन और संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था का परिणाम हैं।

शैक्षणिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में भी विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कीं। बी.कॉम. (प्लेन), बी.कॉम. (सीए) और बी.कॉम. (टैक्स) कार्यक्रमों के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक अर्जित कर विभाग की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया। मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने यह सिद्ध किया कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन और समर्पण सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं।

सांस्कृतिक गतिविधियों ने भी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गणगौर नृत्य, रंगोली निर्माण तथा "द रोल ऑफ एजुकेशन" विषयक नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक सरोकारों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया। इन गतिविधियों ने उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीमवर्क की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाया।

अंक 22, क्रमांक -6,
माहः मई 2026

विश्वत

वृतांत

02/05/2026

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय में 'कौशल रथ' का आगमन, एआई साक्षरता की दिशा में पहल

आईसेक्ट के 'युवा एआई फॉर ऑल' अभियान के अंतर्गत 'कौशल रथ' डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय पहुंचा, जहां विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया। आधुनिक डिजिटल सुविधाओं से युक्त इस मोबाइल लैब में छात्रों ने एआई के व्यावहारिक उपयोगों को समझा। कार्यक्रम में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में एआई की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। कुलसचिव रवि चतुर्वेदी ने कहा कि ऐसी पहलें युवाओं को भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार करती हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

06/05/2026

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा में पांच दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु स्वयं सहायता समूह (SHG) की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में प्याज, टमाटर एवं अरबी पाउडर निर्माण सहित खाद्य प्रसंस्करण, पैकेजिंग, लेबलिंग और विपणन की जानकारी दी जाएगी। यह कार्यक्रम रामन इनक्यूबेशन सेंटर में म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से आयोजित होगा। कुलसचिव रवि चतुर्वेदी ने इसे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कुलगुरु अरुण रमेश जोशी ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा।

11/05/2026

डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय की पहल : स्व-सहायता समूह की महिलाओं हेतु 5 दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न

डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय के रामन इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा स्व-सहायता समूह (SHG) की महिलाओं के लिए आयोजित 5 दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में महिलाओं को प्याज पाउडर, टमाटर पाउडर एवं अन्य खाद्य उत्पादों के निर्माण, पैकेजिंग, गुणवत्ता नियंत्रण और मशीन संचालन की जानकारी दी गई। साथ ही उद्यमिता, स्टार्टअप एवं स्वरोजगार के अवसरों पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कुलगुरु डॉ. अरुण रमेश जोशी ने इसे महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा उन्हें समूह आधारित उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित किया गया।

15/05/2026

वनमाली समर आर्ट वर्कशॉप में नियमित एवं विशेष सत्रों से बच्चे और छात्र हो रहे है लाभान्वित

वनमाली समर आर्ट वर्कशॉप में बच्चे एवं बी.एड. के छात्र नृत्य, संगीत, अभिनय, योग, ड्राइंग, पेंटिंग और क्राफ्ट जैसी विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। विशेष सत्रों में नैतिक शिक्षा, संप्रेषण कौशल, स्वास्थ्य परीक्षण, डेंटल एवं नेत्र जांच जैसी उपयोगी गतिविधियां आयोजित की गईं। साहित्यकार एवं शिक्षाविद् संतोष तिवारी ने "सफल शिक्षक" विषय पर प्रेरक व्याख्यान देकर शिक्षकों के दायित्वों पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञों ने बच्चों को सकारात्मक सोच, अनुशासन, स्वास्थ्य जागरूकता और प्रभावी संवाद कौशल का महत्व समझाया। वर्कशॉप के माध्यम से प्रतिभागियों के व्यक्तित्व विकास, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा मिल रहा है।

15/05/2026

कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 19 से 23 मई 2026 तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक को अपनाने की दिशा में डॉ. सीवी रामन विश्वविद्यालय का अभिनव कदम

डॉ. सीवी रामन विश्वविद्यालय में 19 से 23 मई 2026 तक भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध परिषद (आईसीएसएसआर) के तत्वावधान में "कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था एवं सतत व्यवसाय" विषय पर पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया जाएगा। सेमिनार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल विपणन, वित्तीय प्रौद्योगिकी, ग्रामीण उद्यमिता एवं एमएसएमई विकास जैसे विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। कुलसचिव रवि चतुर्वेदी ने इसे निमाड़ क्षेत्र में तकनीकी नवाचार और शोध को बढ़ावा देने वाली महत्वपूर्ण पहल बताया। कुलगुरु डॉ. अरुण रमेश जोशी ने कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षाविदों को वैश्विक तकनीकी प्रवृत्तियों से जोड़ने का अवसर प्रदान करेगा। सेमिनार में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ और वैज्ञानिक मुख्य वक्ता के रूप में सहभागिता करेंगे।

25/05/2026

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समर आर्ट वर्कशॉप सम्पन्न
(बच्चों ने गीत नृत्य की मंचीय प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया)

संपादकीय मंडल

संरक्षक : प्रो. (डॉ.)अरुण रमेश जोशी,
कुलगुरु, सी. वी. आर. यू. खंडवा,

प्रधान संपादक : श्री रवि चतुर्वेदी,
कुलसचिव, सी. वी. आर. यू. , खंडवा,

कार्यकारी संपादक : प्रो. नेहा शुक्ला, मुख्य प्रकाशन अधिकारी

सदस्य : 1. डॉ. सीमा शर्मा, डायरेक्टर रिसर्च एंड इनोवेशन
2. डॉ. गणेश मलगाया, डायरेक्टर केंद्रीय प्रयोगशाला समन्वयक
3. प्रो. योगेश महाजन, अधिष्ठाता अकादमिक

संकल्पना : श्री प्रमोद पटेल, ग्राफिक डिजाइनर
प्रकाशन विभाग

संचार एवं प्रसार : श्री मनदीप सिंह पंवार, अध्ययनशाला समन्वयक
आर्यभट्ट स्कूल ऑफ डिजिटल लर्निंग
श्री हमज़ा मलिक,
वनमाली केन्द्रीय ग्रंथालय